Roll No. .....

ME 2014-15

Total No. of Pages : 4+2

Total No. of Questions : 10

उत्तरमध्यमा द्वितीयखण्ड

विषय कोड : 828

सामान्य हिंदी

षष्टमम् प्रश्नपत्र

समय : 1½ घण्टे **पूर्णांक : 50**

निर्देश :—सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है।

1. (अ) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए : 3

(*i*) "हिमालय और हम" कविता में हिमालय का.....किया गया है।

(मूर्तिकरण/मानवीकरण)

(*ii*) .....इच्छाएँ समाज में अनाचार पनपाएँगी।

(अनियंत्रित/नियंत्रित)

(*iii*) "जलद" शब्द का अर्थ.....है।

(बादल/कमल)

(ब) प्रत्येक प्रश्न में सही विकल्प चुनकर लिखिए : 3

(*i*) चक्रव्यूह में फँसा था·····।

(अ) अर्जुन (ब) अभिमन्यु

(स) भीम (द) द्रोणाचार्य

(*ii*) "सिर धुनना" मुहावरे का अर्थ·····है।

(अ) सिर पटकना (ब) सिर पकड़ना

(स) पश्चाताप करना (द) सुनाई न पड़ना

(*iii*) मन की एकाग्रता·····है।

(अ) सनातन (ब) वेगमय

(स) अस्थायी (द) मंदमय

2. (अ) सत्य/असत्य छाँटिये : 3

(*i*) परिवार के सभी सदस्य अपने-अपने ढंग से इलाज कराते हैं।

(*ii*) "माँ ने मारा, तो बालक रूठ गया" सरल वाक्य है।

(*iii*) आज सूचनाक्रांति का दौर है।

(ब) प्रत्येक प्रश्न का **एक** शब्द में उत्तर दीजिए : 3

(*i*) रामचरितमानस के रचयिता कौन हैं ?

(*ii*) शांत रस का स्थायी भाव क्या है ?

(*iii*) प्रशंसनीय का विलोम शब्द बताइए।

3. (अ) सही जोड़ी बनाइए : 2

(*i*) अमोघ शक्ति	(अ) जागो फिर एक बार
(*ii*) अज्ञान का पुत्र	(ब) मुहावरा
(*iii*) भैरवी गीत गाना	(स) शब्द और कृति
(*iv*) राष्ट्रीय चेतना	(द) अहंकार

(ब) निम्नलिखित शब्दों के **दो-दो** पर्यायवाची शब्द लिखिए (कोई **दो**) : 2

(*i*) मनुष्य

(*ii*) पुष्प

(*iii*) पृथ्वी

4. (अ) रचना के आधार पर वाक्य कितने प्रकार के होते हैं ? उल्लेख कीजिए। 2

(ब) निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए : 2

(*i*) एक पंथ दो काज

(*ii*) फूला न समाना।

5. (अ) गीता की उक्ति क्या है ? 2

(ब) जीवन की सार्थकता किसमें है ? 2

6. (अ) सूरदास **अथवा** गोपाल सिंह नेपाली का काव्यगत परिचय निम्न बिंदुओं के आधार प
दीजिए : 2

(*i*) **दो** रचनाएँ

(*ii*) भावपक्ष-कलापक्ष

(*iii*) साहित्य में स्थान।

(ब) उदयशंकर भट्ट **अथवा** सुभद्रा कुमारी चौहान का साहित्यिक परिचय निम्न बिन्दुओं
आधार पर दीजिए :

(*i*) **दो** रचनाएँ

(*ii*) भाषा-शैली

(*iii*) साहित्य में स्थान।

(अ) निम्नलिखित पद्यांश की संदर्भ एवं प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए : 2

"लोरियाँ गाकर सुलाया, अब जगाती हूँ तुम्हें,

भैरवी गाओ-उठो ! रस्ता दिखाती हूँ तुम्हें।

मत मुझे टालो-सम्हालो, होश से कुछ काम लो,

जब कभी आए मुसीबत, सिर्फ माँ का नाम लो।

(ब) निम्नलिखित गद्यांश की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 2

"मेरे बच्चे, तुम पढ़-लिखकर भी नासमझ ही रहे। बिना अनुभव के समझदार और बच्चे में अंतर ही क्या है। अरे, होम्योपैथी भी कोई इलाज है। गाँठ बाँध लो,–'कड़वी भेषज बिन पिए, मिटे न तन को ताप।' ये बाल धूप में सफेद नहीं हुए हैं।

निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5

"विकृत भोजन से जैसे शरीर रुग्ण होकर बिगड़ जाता है उसी तरह विकृत साहित्य से मस्तिष्क भी विकारग्रस्त होकर रोगी हो जाता है। मस्तिष्क का बलवान और शक्तिसंपन्न होना अच्छे ही साहित्य पर अवलंबित है। अतएव एक बात निर्भ्रान्त है कि मस्तिष्क के यथेष्ट विकास का एकमात्र साधन उसका साहित्य है। यदि हमें जीवित रहना है और सभ्यता की दौड़ में

अन्य जातियों की बराबरी करना है तो हमें श्रद्धापूर्वक बड़े उत्साह से सत्साहित्य का उत्पादन और प्राचीन साहित्य की रक्षा करनी चाहिए।

(*i*) गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए।

(*ii*) गद्यांश का सारांश लिखिये।

9. विद्यालय के प्राचार्य को शुल्क मुक्ति हेतु आवेदन-पत्र लिखिए। 5

10. किसी **एक** विषय पर **250** शब्दों में निबंध लिखिये (रूपरेखा अवश्य लिखें) : 8

(*i*) विज्ञान का दैनिक जीवन में महत्व

(*ii*) समय का सदुपयोग

(*iii*) इन्टरनेट आधुनिक आवश्यकता

(*iv*) किसी दर्शनीय स्थल की यात्रा का वर्णन।